भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1631
13/03/2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

मौसम विज्ञान और जलवायु विज्ञान के बारे में जन जागरूकता बढ़ाना

1631 #श्रीमती माया नारोलिया:
डा. भीम सिंह:

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार की मौसम विज्ञान और जलवायु विज्ञान के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने के लिए शैक्षणिक पाठ्यक्रम में मौसम विज्ञान जागरूकता कार्यक्रमों को एकीकृत करने की कोई योजना या प्रस्ताव है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ख) मध्य प्रदेश और बिहार राज्य में इस विषय पर विश्वविद्यालयों, विद्यालयों और संस्थानों में आयोजित जागरूकता अभियानों का ब्यौरा क्या है और मध्य प्रदेश और बिहार राज्य में कार्यक्रम आयोजित करने वाले संगठनों को क्या सहायता प्रदान की गई है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (MoES) जनता, विद्यार्थियों, शिक्षाविदों, तथा उपयोगकर्ता समुदायों के बीच में पृथ्वी प्रणाली (वायुमंडल, जलमंडल, स्थलमंडल, हिमांकमंडल, तथा जैवमंडल) विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों के बारे में जन-जागरुकता फैलाने के लिए लगातार कार्य कर रहा है। इसके अतिरिक्त, विद्यालयों तथा महाविद्यालयों में मौसम विज्ञान एवं जलवायु विज्ञान की शिक्षा विद्यार्थियों को मौसम के पैटर्न, जलवायु परिवर्तन, तथा उनके सामाजिक प्रभावों को समझने का ज्ञान प्रदान करती है। इसलिए, विद्यालय तथा महाविद्यालय के पाठ्यक्रम में, देश के विभिन्न भागों को प्रभावित करने वाली विभिन्न गंभीर मौसम की घटनाओं जैसे चक्रवात, गर्ज के साथ तूफान, भारी वर्षा आदि के बारे में अध्याय एवं पाठ्यक्रम शामिल किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, प्राय: पूछे जाने वाले प्रश्नों (FAQs) में प्राकृतिक खतरों एवं उनके प्रभावों, क्या करे और क्या न करें सहित सुरक्षा तैयारी, तथा ऐसी आपदाओं से पहले एवं उसके दौरान सभी संबंधित लोगों द्वारा पालन किए जाने वाले उपायों के बारे में जानकारी प्रदान की गई है। इसमें भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD), राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण (NDMA) आदि द्वारा तैयार की सूचना, शिक्षा एवं संचार (IEC) सामग्रियों का भी प्रचार किया जाता है, जिन्हें जागरुकता फैलाने एवं व्यवहार में परिवर्तन लाने के लिए प्रयोग किया जाता है। इसमें पोस्टर, पत्रक, ब्रॉशर, तथा सोशल मीडिया पोस्ट शामिल हो सकती हैं।

(ख) मध्य प्रदेश एवं बिहार राज्य में हाल के वर्षों में आयोजित किए गए जागरुकता अभियानों का विवरण नीचे दिया गया है:-

राज्य मौसम विज्ञान केंद्र (MC) द्वारा आयोजित किए गए विभिन्न जागरुकता कार्यक्रमों का विवरण:

- पिछले वर्ष के दौरान विभिन्न स्कूलों से लगभग 1000 एवं 500 विद्यार्थियों ने क्रमश: भोपाल एवं पटना में मौसम विज्ञान केंद्रों का दौरा किया।

- मौसम विज्ञान केंद्र भोपाल एवं मौसम विज्ञान केंद्र पटना में पिछले वर्ष के दौरान विभिन्न हितधारकों(प्रत्येक में लगभग 100) के लिए विभिन्न संकाय प्रशिक्षण आयोजित किए गए।
- मौसम विज्ञान के बारे में विभिन्न विद्यार्थियों को प्रदान की गई इंटर्नशिप की संख्या - 10 से 11
- मौसम विज्ञान के बारे में विद्यार्थियों के ज्ञान को बढ़ाने के लिए विभिन्न महाविद्यालयों से मौसम विज्ञान केंद्र भौपाल एवं मौसम विज्ञान केंद्र पटना का औद्योगिक भ्रमण – प्रत्येक में लगभग 1000 विद्यार्थी।

पिछले 2 वर्षों में विभिन्न आउटरीच कार्यक्रमों, प्रदर्शनियों, तथा मेलों में मौसम विज्ञान केंद्र भोपाल एवं मौसम विज्ञान केंद्र पटना की सहभागिता का विवरण:

- कृषि मौसम विज्ञान के बारे में 5वीं राष्ट्रीय संगोष्ठी - 2023
- भोपाल विज्ञान मेला – 2023 एवं 2024
- महाकौशल विज्ञान मेला, जबलपुर - 2024
- साइंस फीएस्टा (क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र भोपाल)- 2023 एवं 2024
- मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम, पटना विश्वविद्यालय – 2024, 2025
- परिवर्तन संस्थान द्वारा आयोजित किसान मेला—2023, 2024, एवं 2025
- पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा बिहार क्लाइमेट एक्शन कॉनक्लेव — 2024
- बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, पटना द्वारा बिहार जलवायु एक्सपो – 2024
- पटना में स्कूल के विद्यार्थियों के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन – 2025
- राष्ट्रीय मौसम विज्ञान ओलंपियाड — 2025 — कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों के बीच में व्यापक प्रचार किया गया।

जागरुकता के लिए विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में मौसम विज्ञान केंद्रों की उपस्थिति का विवरण:

- पटना महिला महाविद्यालय, पटना (मैनुअल एवं स्वचालित मौसम केंद्र)
- दिल्ली पब्लिक स्कूल, दानापुर
- बाल्डविन अकादमी, पटना
- मानव भारती स्कूल, पटना
- बिहार कृषि महाविद्यालय, सैबोर। (श्रेणी । वेधशाला, कृषि मौसम विज्ञान वेधशाला, एवं स्वचालित मौसम केंद्र)
- राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय (RPCAU) पूसा श्रेणी । वेधशाला, कृषि मौसम विज्ञान वेधशाला, एवं स्वचालित मौसम केंद्र))
- डॉ. कलाम कृषि महाविद्यालय, किशनगंज
- वीर कुंवर सिंह कृषि महाविद्यालय, डुमरांव, बक्सर
- सभी कृषि विज्ञान केन्द्र

*****